कक्षा - छठी

विषय - आ रही रवि की सवारी

1. शिक्षण उद्देश्य:- 1. कविता का उद्देश्य छात्रों की कल्पना शक्ति का विस्तार करना है।
2. छात्रों को सूर्योदय के समय और सूर्योदय के अनुपम दृश्य के विषय में जानकारी देना।
3. इस कविता के माध्यम से छात्रों को प्रकृति की सुंदरता का सम्मान करना समझाया जाएगा तथा इसके संरक्षण के लिए उपाय बताए जाएँगे।

2. पूर्व ज्ञान परीक्षा:- 1. सूर्योदय के होते ही प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं?
2. सुबह-सुबह घर में होने वाली चहल-पहल के विषय में बताइ
3. रात होने पर क्या-क्या परिवर्तन होते हैं?

शब्दावली:- तारक, विहग, फ़ौज, स्वर्ण, कीर्ति, अनुचर

र्तनी:- वचन, लिंग, विलोम, पर्यायवाची

य की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:- प्रकृति के बचाव संबंधी तथा स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की जानकारि

Scanned with CamScanner

बच्चों से ली जाएगी। दृश्य श्रव्य साधन।

6. पद्धति:- श्रव्य साधन, सस्वर वाचन, मंत्रमुग्ध होकर कविता सुनाना

7. सहायक सामग्री:- स्मार्ट बोर्ड, पाठ्य-पुस्तक, श्रवण प्रक्रिया

8. शिक्षण कार्य विधि:- छात्रों की कल्पना शक्ति का विस्तार करना और सूर्योदय के अनुपम दृश्य के विषय में जानकारी देना।

छात्रों को समझाया जाएगा कि कवि ने कविता सूर्योदय का बहुत ही सजीव चित्रण किया है कविता के माध्यम से कवि ने यह दर्शाने की कोशिश की है कि परिवर्तन संसार का अटल सत्य है। जो कल राजा था आज रंक बना खड़ा है। इस कविता का मूल संदेश यही है कि मनुष्य को आने वाली प्रत्येक सकारात्मक एवं नकारात्मक परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:- छात्रों को प्रकृति के सम्मान के अतिरिक्त स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी जाएगी तथा उन्हें स्वस्थ रहने के लिए योग का महत्त्व बताया जाएगा। पेड़ पौधों की सुरक्षा, सफाई-अभियान के बारे में जानकारी दी जाएगी।

Scanned with CamScanner

10. छात्र सहभागिता:— पाठ को पढ़कर बच्चों को कठिन शब्द कण्ठस्थ हो जाएँगे। कविता के माध्यम से बच्चों को बताया जाएगा कि जब सूर्योदय होता है तो मानो ऐसा लगता है जैसे सूर्य विजयी होकर अपने नव-किरणों के रथ पर आरूढ़ होकर चला आ रहा है।

11. पुनरावृत्ति:— 1. आपको यह कविता कैसी लगी?
2. राजा-महाराजाओं की शाही सवारी कौन-सी होती थी?
3. सूर्योदय का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

12. सहशैक्षिक गतिविधियाँ — 'आ रही रवि की सवारी' कविता के माध्यम से छात्रों से प्रकृति की सुरक्षा के विषय में प्रश्न किए जाएँगे तथा उन्हें बताया जाएगा कि किस प्रकार सुरक्षा से हमारा वातावरण शुद्ध होता है और और इनका बचाव बहुत जरूरी है, नहीं तो आने वाले समय में बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

13. मूल्यांकन — निम्नलिखित विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।
1. सूर्य विजयी होकर किसके रथ पर आरूढ़ होकर चला आ रहा है?
2. कविता के माध्यम से कवि ने क्या दर्शाने की कोशिश की है?
3. रात होने पर क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

14. गतिविधि — इस कविता के आधार पर छात्र कक्षा में प्रातः काल के चित्र का वर्णन करेंगे।

Scanned with CamScanner

कक्षा - छठी   पाठ - 2

विषय — अन्याय का विरोध

1. शिक्षण उद्देश्य — 1. छात्रों को अन्याय का प्रतिरोध की शिक्षा देना।
2. हमें समाज में अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए निडर बनना चाहिए और अन्याय को कभी भी सहन करना चाहिए।
3. हमें हर कार्य ईमानदारी और मेहनत से कार्य करना चाहिए,

2. पूर्व परीक्षा ज्ञान —
1. गवर्नेस कौन होती है?
2. रूबल किन देशों की मुद्रा है?
3. क्या आपने कभी अपने माता-पिता या अध्यापकों को परेशान किया है, यदि हाँ, तो वह घटना बताइए?
4. क्या आपने ऐसा मजाक किया है, जिससे किसी को हानि हुई हो? आपने कैसे सुधार किया?

3. शब्दावली — अन्याय, गवर्नेस, रूबल, अस्तित्व, तनख्वाह, नसीहत

4. वर्तनी — स्मार्टबोर्ड, पाठ्यपुस्तक, चॉक, झाड़न।

5. विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग — हमें अच्छा इंसान ब

चाहिए और कभी भी किसी भी प्रकार का अत्याचार नहीं सहन करना चाहिए। हमें अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए पूरी शक्ति से इस संसार से लड़ना होगा। दृश्य-श्रव्य साधन, वाद विवाद, नाटक।

6. शिक्षण कार्य विधि — शिक्षक द्वारा छात्रों को पढ़ाने से पूर्व अन्याय का विरोध करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। छात्रों को बताया जाएगा कि हमें ईमानदारी से कार्य करना चाहिए परंतु हमें अपने हक के लिए अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

7. छात्र सहभागिता — पाठ को पढ़कर बच्चों को कठिन शब्द कण्ठस्थ करार जाएँगे पाठ के माध्यम से बताया जाएगा कि हमें अपने हक के लिए अन्याय का विरोध करना चाहिए। विनम्रता, शिष्टता, संयम, आदर, क्षमा आदि गुण मानव को श्रेष्ठ बनाते हैं।

पुनरावृत्ति —
1. आपको यह कहानी कैसी लगी?
2. यदि आपको कोई ठगे या धोखा दें, तो आप क्या करेंगे?
3. आपके भाई-बहन कोई गलती करें, तो उन्हें कैसे समझाएँगे?
4. आपको इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

गतिविधि — "अन्याय का विरोध" पाठ के आधार पर छात्रों से अपने विचार प्रकट करने के लिए कहा जाएगा।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ ~~स्कका~~ एकीकरण — अन्याय का विरोध करने के

Scanned with CamScanner

के बारे में छात्रों को अवगत कराना चाहिए साथ-साथ छात्रों को विनम्रता, संयम, आदर आदि गुणों के बारे में छात्रों को अवगत करना चाहिए। हमें ऐसे लोगों से हमेशा सावधान रहना चाहिए तथा अपने हक और अधिकारियों का कभी भी हनन होते नही देखना चाहिए।

सह शैक्षिक गतिविधियां — हमें अपने अधिकारियों के लिए निरंतर संघर्षरत रहना चाहिए और हमें ऐसे लोगों से हमेशा सावधान रहना चाहिए तथा अपने हक और अधिकारों का कभी भी हनन होते नही देखना चाहिए।

12- मूल्यांकन —
1. लेखक ने जूलिया को कितने दिन की छुट्टियाँ मिली ?
2. लेखक जूलिया को क्या सिखाना चाहता था ?
3. क्या जूलिया ने लेखक से माफी माँगी ?
4. इस संसार में किन लोगों के लिए जगह नहीं है ?

Scanned with CamScanner

कक्षा - छठी

विषय - सरफ़रोशी की तमन्ना

1. शिक्षण उद्देश्य:- 1. छात्रों को महान क्रांतिकारी तथा अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल के संघर्षों से परिचित करवाना।
2. हमें देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वालों को नही भूलना चाहिए और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।

2. पूर्व ज्ञान परीक्षा:- 1. हमारे देश को आजादी कैसे मिली ?
2. हमें अपने माता-पिता के प्रति कैसे भाव रखने चाहिए ?
3. देश के प्रति हमारे क्या-क्या कर्तव्य है ?
4. हमें देश के प्रति ~~देश के~~ किस प्रकार का भाव रखना रखना चाहिए ?

3. शब्दावली- एकांकी, फाँसी, बिस्मिल, आँसू, उपस्थित, साँस

4. वर्तनी :- पर्यायवाची, विलोम, क्रिया, वचन

5. विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग-: भारत को आजाद करवाने के लिए सेनानी जिन जेलों में रह रहे है उनके बारे में जानकारी देना।
दृश्य-श्रव्य साधन, वाद-विवाद, नाटक

Scanned with CamScanner

6. पद्धति -: श्रव्य-दृश्य साधन, परिचर्चा, नाटक रूपांतरण

7. सहायक सामग्री -: पाठ्य-पुस्तक, चॉक, स्मार्ट बोर्ड, झाडन

8. शिक्षण कार्य विधि -: छात्रों को भारत के महान क्रांतिकारी तथा अग्रणी स्वतंत्र सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल के संघर्षों से परिचित कराया जाएगा। छात्रों को बताया जाएगा कि हमें देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वालों को नहीं भूलना चाहिए और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।

9. ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्रों को देश को आजाद करवाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। छात्रों को देश को आजाद करवाने वाले सेनानियों द्वारा किए गए अनशन तथा आंदोलनों की सूची बनाने के लिए कहा जाएगा। अंग्रेजो द्वारा किए अत्याचारों पर निबंध लिखेंगे। कुछ सेनानियों की सूची लिख उसका पोस्टर बनाकर कक्षा में लगाएँगे।

10. छात्र सहभागिता -: छात्र पाठ को पढ़ने व समझने के बाद कठिन शब्दों को लिखेंगे। पाठ पढ़ते व पढ़ाते समय विषय पर चर्चा की जा सकती है। छात्रों को पाठ के आधार पर बताया जाएगा कि बिस्मिल की माँ ने बिस्मिल जी को त्याग, वीरता और देशप्रेम का पाठ पढ़ाते

Scanned with CamScanner

हुए उनका लालन-पालन किया।

11. पुनरावृत्ति -: 1. बच्चो, यह पाठ पढ़ते समय आपके मन में क्या भावना जगी?
2. आप देश के अमर स्वतंत्रता सेनानियों को किस प्रकार श्रद्धांजलि देंगे।
3. आप रामप्रसाद बिस्मिल के विषय में क्या सोचते हैं?
4. यदि आपको देश के लिए कुछ करने का अवसर मिले, तो आप क्या करना चाहेंगे?

12. सह-शैक्षिक गतिविधियाँ -: छात्र भारत के महान क्रांतिकारियों के नाम याद करेंगे तथा उनकी सूची तैयार करेंगे। राम प्रसाद बिस्मिल के बारे में लेख लिखेंगे तथा देश के महान क्रांतिकारियों के बारे में जानकारी हासिल करेंगे। उन पर कुछ पंक्तियाँ सोच-विचारकर लिखेंगे।

13. मूल्यांकन -: 1. पाठ्य पुस्तक के प्रश्न
(1) बिस्मिल को त्याग, वीरता और देशप्रेम का पाठ किसने पढ़ाया?
(2) फाँसी के दिन माँ ने किससे प्रार्थना की?
(3) नहीं, नहीं जेलर साहब! मैं अपनी माँ से नहीं मिलूँगा। ये शब्द किसने, किससे कहे?

14. गतिविधि -: इस कविता को छात्र कक्षा में गाकर प्रस्तुत करेंगे।

कक्षा छठी

विषय – गिल्लू

1. शिक्षण उद्देश्य:– 1. छात्रों में पशु-पक्षियों के प्रति मानवीय भावना जाग्रत करना।
2. किसी भी जीव जंतु को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।
3. पशु-पक्षियों को कैद करना अनुचित है उन्हें खुली हवा में साँस लेने देना चाहिए।

2. पूर्व ज्ञान परीक्षा:– 1. क्या आपने घर में किसी पशु-पक्षियों को पाला है?
2. उसका ध्यान आप कैसे रखते हैं?
3. क्या आप उनसे प्यार करते हैं?

3. शब्दावली:– समादृत, पीलाभ, कर्कश, उष्णता, स्मरण, विस्मित

4. वर्तनी–: मुहावरे, तत्सम तद्भव, पर्यायवाची, एकवचन बहुवचन

5. पद्धति:– दृश्य श्रव्य साधन, पूर्वजों के श्राद्ध पर चर्चा, पशु पक्षियों के पालन से संबंधित वार्तालाप

6. विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:– छात्रों को पशु-पक्षियों के विषय जानकारी देना, तथा वो अपने घर में रह रहे पशु-पक्षियों के व्यवहार के बारे में छात्रों के साथ वार्तालाप करना और उनसे जानकारी लेना।

Scanned with CamScanner

7. सहायक सामग्री-: पाठ्य पुस्तक, चॉक, स्मार्ट बोर्ड, झाड़न।

8. कार्य पद्धति-: पशु-पक्षियों के पालन-पोषण पर चर्चा करते हुए पाठ की भूमिका प्रस्तुत की जाएगी। वाचन एवं पाठन के दौरान कौओं के श्राद्ध पक्ष में विचरने तथा पूर्वजों के रूप में आने, अतिथि का संदेशवाहक होना लेकिन उसकी कर्कश आवाज पर छात्रों से उनके विचार पूछे जाएँगे। गिलहरी के लालन-पालन पर चर्चा करते हुए उसकी विशेषताओं को दर्शाते हुए पाठ्य-विस्तार किया जाएगा। पशु पक्षियों की संवेदनशीलता का परिचय देते हुए लेखिका और गिल्लू के प्रेम का वर्णन किया जाएगा।

9. ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्रों को पशु-पक्षियों के रख-रखाव के साथ-साथ उनके साथ प्रेम-भावना भी रखनी चाहिए। गर्मियों के दिनों में उन्हें पानी देने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। पशु-पक्षी किस प्रकार इंसान से प्रेम करते है और मनुष्यों से भी उन्हें उसी प्रकार का प्रेम करना चाहिए।

10. छात्र सहभागिता :- छात्र पशु-पक्षियों के लालन-पालन-पोषण के अपने ज्ञान तथा अनुभव का परिचय देंगे। पाठ्य-विस्तार के दौरान अपनी जिज्ञासा को शांत करने हेतु कुछ प्रश्न करेंगे तथा अध्यापिका द्वारा किए प्रश्नों का उत्तर देने में अपने अनुभव का प्रयोग करेंगे।

Scanned with CamScanner

11. पुनरावृत्ति :- 1. कौए को समादरित तथा अनादरित प्राणी क्यों कहा गया।
2. गिल्लू ने परिचारिका की भूमिका कैसे निभाई?
3. जाली के पास गिल्लू का बैठना क्या दर्शाता है?

12. सह शैक्षिक गतिविधियाँ -: गिल्लू पाठ से संबंधित महादेवी वर्मा द्वारा रचित कहानियों को पढ़ने के लिए छात्रों को उत्साहित करना चाहिए। ताकि वो पक्षियों, पशुओं के साथ विनम्रता व्यवहार करें और उन्हें परेशान ना करें। उन्हें प्यार दें और उनसे प्यार लें।

13. मूल्यांकन -: 1. क्या पशु-पक्षी प्रेम के बदले प्रेम देते हैं?
2. हमें पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए क्या-क्या करना चाहिए।
3. 'मिट्टी होकर मिट्टी में मिल गया' से क्या तात्पर्य है पाठ के आधार पर बताइए।

14. गतिविधि :- पाठ के आधार पर पशु संरक्षण पर चर्चा की जाएगी।

Scanned with CamScanner

कक्षा - छठी

पाठ - पुरस्कार

1. शिक्षण उद्देश्य - 1. छात्रों में देशप्रेम, त्याग एवं बलिदान की भावना जाग्रत करना।
2. हमें अपने देश के साथ विश्वासघात नही करना चाहिए।
3. पाठ के माध्यम से हमें छात्रों को बताना चाहिए कि हमें हमेशा अपने देश के साथ वफादार रहना चाहिए तथा काम में ईमानदारी बरतनी चाहिए।

2. पूर्व ज्ञान परीक्षा :- 1. क्या आपने किसानो को खेतो में हल चलाते देखा है?
2. कृषि के लिए किन उपकरणों का प्रयोग किया जाता है?
3. गाँव के लोगो की शैली शहरी लोगो से किस प्रकार भिन्न है?
4. क्या आपको कोई अच्छा कार्य करने के लिए पुरस्कार मिला है?

3. शब्दावली :- मुद्रा, झोपड़ी, पुरस्कार, झाड़ी, कन्या, नाला

4. वर्तनी :- वचन, लिंग, विलोम, पर्यायवाची

5. विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग :- छात्रों से पुरस्कार पाठ के माध्यम से कोई ऐसी कहानी सुनाने के लिए कहना जिसमें देश-प्रेम की भावना को दर्शाया जाएगा। दृश्य-श्रव्य साधन, वाद-विवाद, नाटक, 'र' का प्रयोग

6. पद्धति :- स्मार्ट बोर्ड, पाठ्य-पुस्तक, श्रवण प्रक्रिया

7. शिक्षण कार्य विधि :- छात्रों में देश-प्रेम, त्याग एवं बलिदान की भावना जाग्रत करना। इस कहानी के माध्यम से बताया जाएगा कि एक युवती किस प्रकार से स्वयं के लिए प्राणदंड मांगती है और अपनी करनी पर प्रायश्चित करती है।

8. छात्र सहभागिता :- छात्र पाठ को पढ़ने व समझने के पश्चात कठिन शब्दों को कंठस्थ करेंगे। पाठ के माध्यम से बताया जाएगा कि हमें अपने देश के साथ कभी विश्वासघात नहीं करना चाहिए। देश के साथ हमेशा वफादार रहें तथा काम में ईमानदारी बरतें।

9. ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्रों को देश-प्रेम, त्याग, बलिदान की भावना के साथ-साथ प्रकृति से प्रेम और पशु-पक्षियों से

प्यार की भावना को जाग्रत किया जाएगा। छात्रों को अपनो से बड़ो के प्रति आदर-सम्मान की भावना और उनके प्रति प्यार की भावना होनी चाहिए।

10. पुनरावृत्ति :- 1. आपको यह कहानी कैसी लगी ?
2. उत्सवों का हमारे जीवन में क्या महत्व है ?
3. पुरस्कार उत्साह बढ़ाते है। क्या यह बात सही है ?
4. सरहद पार खड़े सैनिक देश के लिए किस प्रकार 'अपना कर्तव्य निभाते है ?

छात्र कक्षा में दो-दो मिनट 'देश-प्रेम' पर बोलकर अपने विचार प्रकट करेंगे।

11. गतिविधि :- 'पुरस्कार' पाठ के माध्यम से देश-प्रेम पर दो-दो मिनट अपने विचार प्रकट किए जाएँगे।

12. सह-शैक्षिक गतिविधियाँ :- 'पुरस्कार' पाठ के माध्यम से छात्रों को कृषि संबंधी जानकारी दी जाएगी तथा कृषि के लिए किन-किन उपकरणों का प्रयोग किया जाता है तथा ग्रामीण और शहरी जीवन के बारे छात्रों को बताया भी जाएगा और उनसे पूछा जाएगा।

13. मूल्यांकन :- 1. कौशल के नियमानुसार जोती गई भूमि का कितना मूल्य दिया गया
2. उत्सव में राजा क्या बनकर इंद्र देवता की पूजा करते थे ?
3. किसकी खोज में कौशल मगध का राजकुमार अरुण आया था ?
4. महाराज किसके खेत में हल चला रहे थे ?

Scanned with CamScanner

विषय – विलोम, पर्यायवाची, अनेकार्थी

पूर्व ज्ञान परीक्षण :– 1. 'पुष्प' को हिंदी भाषा में और क्या कहते हैं?
2. 'उलटा' जाते-जाते वह _ _ चलने लगा। इसमें क्या शब्द आ सकता है? यह मुख्य शब्द का क्या कहलाएगा?
3. 'हरि' शब्द के कोई अन्य अर्थ बताइए।

सहायक सामग्री :– फ़्लैश कार्ड, व्याकरण पुस्तक, स्मार्ट बोर्ड।

शिक्षण कार्य विधि :– सर्वप्रथम छात्रों को विलोम का अर्थ समझाते हुए कुछ उदाहरण प्रस्तुत किए जाएँगे। व्याकरण पुस्तक, स्मार्ट बोर्ड की सहायता से उन्हें विपरीत शब्दों की सूची प्रदान की जाएगी। इसके बाद एक शब्द के समानार्थी अर्थात एक जैसा अर्थ देने वाले कुछ अन्य शब्दों के बारे में बताया जाएगा। साथ ही कुछ शब्दों के ऐसे शब्द भी बताये जाएँगे जिनके भिन्न-भिन्न अर्थ निकलते हों। इस प्रकार छात्रगण अपनी शब्दावली एवं वर्तनी में वृद्धि करेंगे। इसके लिए चार्ट एवं फ़्लैश कार्ड तथा श्यामपट्ट जैसी सहायक सामग्री भी प्रयोग की जाएगी।

पुनरावृत्ति :- 1. 'सुबह सूरज उदय होता है और ____ को सूरज ____ होता है' वाक्य में उचित विलोम शब्द भरकर बताएँ।
2. 'वर्ण' शब्द के दो अन्य अर्थ बताएँ।
3. 'अनल', 'अनिल' या 'पावन' में से कौन-सा शब्द 'आग' का पर्यायवाची है?
4. 'अमृत' के दो समानार्थी बताएँ।

योग्यता विस्तार कार्य :-

छात्र अपनी कार्य पुस्तिका में विलोम, पर्यायवाची एवं अनेकार्थी शब्दों से संबंधित कुछ चित्र बनाएँगे तथा उन्हें समझाने वाले कुछ वाक्य भी लिखेंगे। एक गद्यांश में से कुछ ऐसे ही शब्दों को छाँट कर लिखेंगे।

अपनी व्याकरण पुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य को करेंगे।

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु- व्याकरण प्रकरण – संधि

उद्देश्य :- 1. छात्र संधि युक्त कठिन शब्दों का प्रत्यभिज्ञान व् प्रत्यास्मरण करेंगे ।

2. भाषा के नए रूप एवं शब्दावली को सीखेंगे ।

3. छात्र संधि शब्दों को शुद्ध लिखने का प्रयास करेंगे तथा दैनिक जीवन में उसका उपयोग सीखेंगे । 4. छात्र मौखिक रूप से उसके नियम समझ कर प्रयोग कर पाएंगे ।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-1. हिंदी भाषा में स्वर कितने के होते हैं?

2. 'क' किस वर्ण से मिलकर बना है ?

3. 'देवालय' शब्द में किन दो शब्दों की ध्वनि सुनाई दे रही है?

4. संधि का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि ,लिंकhttps://www.youtube.com/watch?v=eeX52AdiiAw ।

कार्य प्रणाली :- छात्रों को संधि का शाब्दिक अर्थ समझाया जायेगा : दो शब्दों की क्रमशः अंतिम और प्रथम ध्वनि के मेल से नया स्वर बनता है उसे ही स्वर संधि कहते हैं ।स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से संधि की परिभाषा तथा स्वर संधि के भेद स समझाए जायेंगे तथा श्यामपट्ट के माध्यम से उसके नियमों की जानकारी दी जायेगी ।

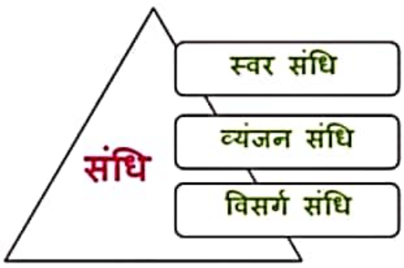

छात्र सहभागिता :- अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को छात्र ध्यान से सुनेंगे तथा उदाहरणों द्वारा ज्ञान की पुष्टि करेंगे । स्वयं लिखित रूप से अभ्यास करेंगे । फ़्लैश कार्ड के माध्यम से छात्र स्वर संधि के भेदों के नियमों का अभ्यास करेंगे ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :- छात्र अपनी पुस्तक में से कुछ ऐसे शब्द चुनकर लिखेंगे जो दो स्वरों के मेल से बने हों । उनका संधि विच्छेद करने का अभ्यास करेंगे । इसके नियमों से सम्बंधित चार्ट बनायेंगे तथा इसकी एक पी.पी.टी. भी तैयार करेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- स्वर संधि के भेदों का चार्ट बनाने तथा उनके चित्र बनाने में उनकी चित्रकला का विकास होगा । इसके अतिरिक्त कंप्यूटर ,गणित, आदि विषयों के ज्ञान के साथ भी जोड़ा जा सकता है

पुनरावृत्ति:- 1. स्वर संधि किसे कहते हैं ?

2.. स्वर संधि के कितने भेद हैं ?

3. 'सेवार्थ' शब्द किन दो शब्दों के मेल से बना है ?

4. 'अभि+इष्ट' क्व्य बनेगा तथा इसमें किन दो स्वरों का मेल है ?

5. 'पराधीन' शब्द का संधि विच्छेद करे

Scanned with CamScanner

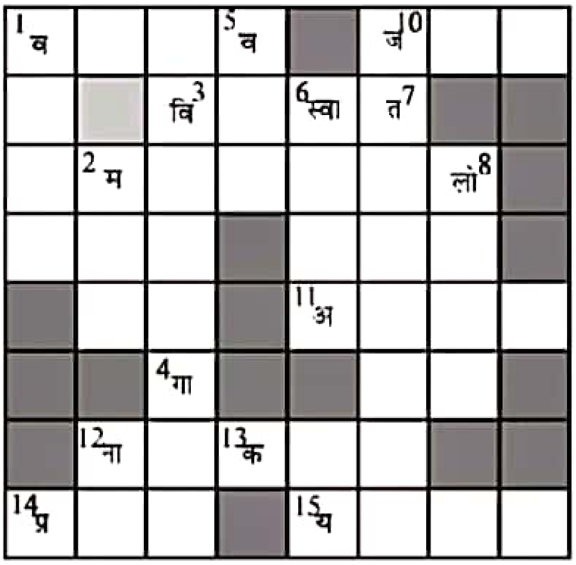

ऊपर से नीचे

1. वन + औषध
3. विद्या + आलय
5. वधू + ऊर्जा
7. तथा + अपि
9. वधू + उत्सव
11. अति + आचार
13. कवि + इंद्र
15. यमुना + ऊर्मि

बाएँ से दाएँ

2. महा + ईश
4. गै + अक
6. सु + आगत
8. लोक + आचार
10. जल + ऊर्मि
12. नै + अक
14. प्रति + एक

मूल्यांकन

छात्रों का मूल्यांकन करने हेतु उन्हें अभ्यास के लिए शब्द दिए जाएँगे तथा स्वर संधि के भेदों के आधार पर शब्दों का अभ्यास करवाया जाएगा।

-

Scanned with CamScanner

विषयवस्तु- व्याकरण प्रकरण - समास

उद्देश्य :- 1.छात्रों को व्याकरण का ज्ञान कराना ।

2. सामासिक शब्दों की पहचान कराना ।

3. भाषा में संक्षिप्तीकरण का ज्ञान कराना ।

4. भाषा को आकर्षक और रोचक बनाना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- यह पूर्वानुमान है कि छात्र वाक्यांशों के लिए एक शब्द बनाना जानते हैं , अतः उनसे पुछा जायेगा –

-'राह के लिए खर्च ' के लिए एक शब्द बताएं ।

-'घुड़दौड़' शब्द में किन दो सम्पूर्ण शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

-'नीलकंठ' शब्द का क्या अर्थ है? यह विशेष तौर से किसके लिए प्रयोग किया जाता है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि ,लिंक –https:/youtu.be/plXGAbMzobu।

कार्य प्रणाली :- छात्रों के समक्ष कुछ शब्द बोल कर उनके अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्हें विग्रह करके बताया जायेगा , जिससे उन्हें पूर्वपद तथा उत्तरपद के बारे में बताते हुए समास ,समस्त पद तथा उनके विग्रह के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा ।इसके पश्चात् स्मार्ट बोर्ड , श्यामपट्ट तथा व्याकरण पुस्तक की सहायता से उन्हें इसके समस्त भेदों की जानकारी दी जाएगी

शब्द समूह	पूर्व पद	उत्तर पद	समस्त पद
हाथ से लिया हुआ	हस्त	लिखित	हस्तलिखित
रसोई के लिए घर	रसोई	घर	रसोईघर
नीला है जो गगन	नील	गगन	नीलगगन
पाँच वटों का समूह	पंच	वटी	पंचवटी
मृत्यु तक	आ	मरण	आमरण

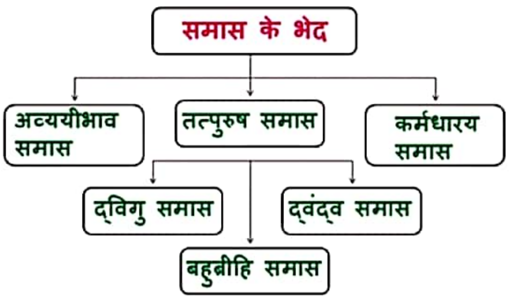

छात्र सहभागिता :- अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को छात्र ध्यान से सुनेंगे तथा उदाहरणों द्वारा ज्ञान की पुष्टि करेंगे । स्वयं लिखित रूप से अभ्यास करेंगे । फ़्लैश कार्ड के माध्यम से छात्र समास के भेड़ों , समस्त पद एवं विग्रह का अभ्यास करेंगे ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :- छात्र किसी पाठ में से चुनकर कुछ समस्तपदों की सूची बनायेंगे तथा उसका समास विग्रह कर उनके भेदों के नाम लिखेंगे ,साथ ही उन्हें खेल खिलाया जायेगा जिसमें छात्रों को समूहों में विभाजित करके विभिन्न भेदों के शब्द बाँट दिए जायेंगे ; अध्यापिका के शब्दांश बोलने पर पूर्वपद तथा उत्तरपद लिए हुए छात्र आगे आएंगे तथा समस्तपद बनायेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- समास के भेदों का चार्ट बनाने तथा उनके चित्र बनाने में उनकी चित्रकला का विकास होगा । इसके अतिरिक्त कंप्यूटर ,कविता लेखन आदि विषयों के ज्ञान के साथ भी जोड़ा जा सकता है ।एक कविता के माध्यम से भी समास के भेड़ों की पहचान करवाई जा सकती है :-

द्वंद्व में और छिपे
बीच में कारक चिह्न छिपे
पहला पद अव्यय,अव्ययी भाव
पहला पद जाने विशेषण है

द्विगु में पहला गणना पद आवत है
तत्पुरुष समास कहावत है
बहुव्रीहि में अन्य प्रधानत है
कर्मधारय नाम कहावत है

पुनरावृत्ति :- 1. समस्त पद किसे कहते है ?

2. कर्मधारय तथा बहुव्रीहि में क्या अंतर है?

3. 'यथाशक्ति' शब्द का समास-विग्रह करो

4. जिस समस्तपद का पहला पद संख्यावाची हो, उसे क्या कहते है?

सीखने के प्रतिफल :- छात्र शब्दांशों को एक शब्दों में कहना सीखेंगे । समास के सभी भेदों की पहचान तथा उनके प्रयोग का अभ्यास करेंगे ।

मूल्यांकन :- छात्रों की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए उन्हें गृह कार्य में व्याकरण पुस्तक का अभ्यास कार्य करने को दिया जाएगा ।इसके अतिरिक्त कक्षा में परीक्षा ली जाएगी ।

(*i*) महान है आत्मा ....
(*ii*) आठ सिद्धियों का समूह ....
(*iii*) शक्ति के अनुसार ....
(*iv*) आज्ञा के अनुसार ....

Scanned with CamScanner

उप विषय
विराम चिहन

शिक्षण उद्देश्य
- भाषा में विराम चिन्हों का महत्व समझाना
- वर्तनी तथा वाक्य में अशुद्धि के पहचान करना तथा शोधन करना सिखाना
- भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी तथा प्रयोग पर बल देना
- भाषाई कौशलों का विकास करना
- भाषा में विराम चिन्हों के प्रयोग का महत्व समझाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा
- क्या आप 'विराम 'का शाब्दिक अर्थ जानते हैं?
- क्या आप किसी बात को बोलते समय अपने भावों की अभिव्यक्ति के लिए ठहराव या हाव-भाव दिखाते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि वाक्य को लिखते समय ठहराव तथा हाव -भाव व्यक्त करने के लिए कुछ चीजों का प्रयोग किया जाता है।
- क्या आप जानते हैं कि इन तीनों को क्या कहा जाता है?

सहायक सामग्री तथा पद्धति
पुस्तक, फ्लैशकार्ट, दृश्य- श्रव्य ,सामग्री , वर्ग प्रतियोगिता।

शिक्षण कार्य विधि
- छात्रों को समझाया जाएगा कि हम बातचीत करते समय और बात को अच्छी तरह से समझाने के लिए अथवा किसी कथन पर बल देने के लिए कहीं कहीं थोड़ा रुकते हैं। इससे कथन का आशय स्पष्ट करने में सहायता मिलती है ।भाषा के लिखित रूप में भी रुकने अथवा विराम के लिए कुछ संकेत चिन्ह का प्रयोग किया जाता है इन्हीं चिन्हों को विराम चिन्ह कहते हैं।
- लिखित भाषा में रुकने के निर्देश के लिए प्रयोग किए जाने वाले संकेत चिन्ह को विराम चिन्ह कहते हैं
- अलग-अलग जनों के प्रयोग के बारे में उदाहरणों द्वारा समझाया जाएगा ताकि छात्र विराम चिन्हों का प्रयोग करना अच्छी तरह से समझ जाए।

सह शैक्षिक गतिविधि

- कक्षा में छात्रों को दो वर्गों में विभाजित कर दिया जाएगा ।एक वर्ग को फ्लैश कार्ड पर किसी विराम चिन्ह का नाम लिखने के लिए कहा जाएगा तथा दूसरे को उसका चिन्ह बनाने के लिए कहा जाएगा ।जब एक वर्ग का छात्र किसी विराम चिन्ह का नाम फ्लैश कार्ड से दिखाएगा तो दूसरे वर्ग का छात्र उसका चिन्ह दिखाएगा ।इस प्रकार वे चिन्हों के नाम अच्छी तरह याद कर पाएंगे छात्रों को उसी चिन्ह का एक उदाहरण देने के लिए भी कहा जाएगा ।छात्र उस चिन्ह का प्रयोग करते हुए 1 वाक्य श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण
- छात्र विराम चिन्हों का ज्ञान प्राप्त करते हुए अंग्रेजी तथा पंजाबी विषयों से भी जुड़ेंगे क्योंकि इन दोनों भाषाओं में भी विराम चिन्हों का प्रयोग किया जाता है।

छात्र सहभागिता
- छात्र उप विषय संबंधी दी गई प्रतिनिधि में उत्साह पूर्ण भाग लेंगे और अपनी-अपनी वर्ग को जिताने का प्रयास करेंगे।
- दिए गए अभ्यास कार्य और अभ्यास पत्रिका को अच्छी तरह से पूरा करने का प्रयास करेंगे ।मूल्यांकन के लिए दिया गया कार्य करेंगे।

शिक्षण के प्रतिफल
- छात्र विराम चिन्हों का सही प्रयोग करना सीख जाएंगे।
- वे अपनी बात को विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए अच्छी तरह से स्पष्ट करने में सक्षम हो जाएंगे।
- व्याकरण के प्रति उनकी दिलचस्पी में वृद्धि होगी।
- प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतियोगी बनने की प्रवृत्ति का विकास होगा।

पुनरावृति
- विराम चिन्ह का क्या अर्थ है?
- विराम चिन्ह कितने तरह के होते हैं?
- भाषा में विराम चिन्हों का क्या महत्व है?
- त्रुटि पूरक चिन्ह का प्रयोग कहां किया जाता है?

मूल्यांकन
कार्य पत्रिका, अभ्यास पत्रिका, प्रतियोगिता ,व्याकरण की पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य।
उपर्युक्त सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

विषय व्याकरण
उप विषय- प्रत्यय
शिक्षण उद्देश्य

- भाषा ज्ञान में वृद्धि करना ,शब्द ज्ञान बढ़ाना तथा व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- व्याकरणिक इकाई प्रत्यय का ज्ञान प्रदान करना तथा दैनिक जीवन में उसका उपयोग बताना ।
- नए शब्दों का निर्माण करना सिखाना।

शब्द प्रारूप

- संगीतकार ,राष्ट्रीय ,हवलदार, सुखी ,दिखावा।

वर्तनी

- गंभीरता, गहराई ,व्यवहारिकता ,बुलावा।

सहायक सामग्री पद्धति तथा संसाधन

- व्याकरण की पुस्तक, श्यामपट्ट ,जाडन ,चौक ,स्मार्ट बोर्ड एक्स्ट्रा मार्क्स, अखबार आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- विशुद्ध शब्द किस शब्द से बना है?
- शब्द के आगे लगने वाले शब्दांश को क्या कहते हैं?
- दुकानदार शब्द में कौन कौन से शब्द जुड़े हैं?
- शब्द के पीछे भी क्या शब्दांश जुड़ते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि प्रत्यय किसे कहते हैं?

कार्यप्रणाली

- छात्रों को प्रत्यय का अर्थ समझाते हुए बताया जाएगा कि जो शब्दांश किसी मूल शब्द के पीछे जुड़कर एक नए शब्द का निर्माण करते हैं उन्हें प्रत्यय कहते हैं। जैसे -समाज+इक=सामाजिकयहां पर समाज मूल शब्द है तथा इक प्रत्यय है ।प्रत्यय के दो भेद हैं - प्रत्यय तथा तद्धित प्रत्यय प्रत्यय की भेदो की जानकारी देते हुए प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए शब्द बनाना सिखाया जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को फ्लैश कार्ड के माध्यम से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग अलग करना तथा प्रत्यय के प्रयोग से नए शब्द बनाना सिखाया जाएगा।
- छात्र अपनी इच्छा के अनुसार अलग-अलग तरह के फ्लैश कार्ड बनाएंगे और कला से जुड़ेंगे।
- विषय को अच्छी तरह से समझाने के लिए मूल शब्द को इंजन के रूप में तथा प्रत्यय के योग से बने शब्दों को उस गाड़ी के अन्य डिब्बों के रूप में दिखाया जाएगा।
- इस गतिविधि द्वारा छात्र विषय को अच्छी तरह से समझ पाएंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- चित्रकला का विकास होगा इतिहास ,भूगोल, विज्ञान मनोविज्ञान ,गणित आदि विषयों से संबंधित शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता

- प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए नए शब्द बनाएंगे ।
- शिक्षण के लिए की गई गतिविधि में उत्साह पूर्वक भाग लेंगे।
- अखबार अथवा अपनी पुरानी किताबों में से ऐसे शब्द ढूंढेंगे जो प्रत्यय के योग से बने हैं ।

पुनरावृति

- 'आश्रित 'शब्द में प्रत्यय क्या है ?
- 'प्रकाशमान 'में मूल शब्द क्या है ?

- क्या आप प्रत्यय का प्रयोग करके कुछ नए शब्दों का निर्माण करना सीख गए हैं?

सीखने के प्रतिफल

- छात्र नए शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
- प्रत्यय का प्रयोग करके नए शब्द बनाना सीख जाएंगे
- शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय की पहचान करना सीख लेंगे ।
- व्याकरण संबंधी दिलचस्पी बढ़ेगी

मूल्यांकन

- कार्य पत्रिका, अभ्यास पत्रिका, मौखिक तथा लिखित प्रश्न उत्तर
- उपर्युक्त माध्यमों का प्रयोग करते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

विषय हिंदी
उप विषय। अलंकार
शिक्षण उद्देश्य

- भाषा में सौंदर्य उत्पन्न करने वाले विशेष तत्वों का ज्ञान कराना।
- अलंकार के विषय में जानकारी देना ।
- अलंकार के विविध रूप एवं उनके उपयोग के विषय में जानकारी देना।
- भाषा में अलंकारों के प्रयोग के महत्व को समझाना
- क्रियात्मक तथा रचनात्मक क्षमता जगाना।

सहायक सामग्री

- विभिन्न काव्य पंक्तियों से सजा चार्ट पेपर, श्यामपट्ट ,चौक ,डस्टर, सी .डी .,प्रोजेक्टर।

पूर्वज्ञान परीक्षा

- आप सुंदर दिखने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं?
- क्या आप अलंकार शब्द का अर्थ जानते हैं?
- क्या आप किसी पर्व पर जाते हुए गहने आदि पहनते हैं?
- पूर्व ज्ञान नहीं होने की वजह से छात्रों को शिक्षक द्वारा स्वयं ही विषय ज्ञान करवाया जाएगा।

पद्धति

- काव्य पंक्तियों का वचन तथा पठन तथा कुछ गीतों का गायन।

शिक्षण कार्य

- अलंकार का शाब्दिक अर्थ समझाते हुए भाषा में उनकी महत्वता समझाई जाएगी तत्पश्चात अलंकार वे अलंकार तथा अर्थालंकार पर चर्चा की जाएगी ।पाठ का मुखर वाचन करते हुए प्रत्येक भेद के काव्यात्मक उदाहरणों से समझाया जाएगा। पाठ को रोचक बनाने के लिए बीच-बीच में छात्रों को कुछ ग हुए उन्हें समझाया जाएगा कि इस गीत में कौन से अलंकार का प्रयोग हुआ है।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- उप विषय को गीतों और कविता से जोड़ते हुए छात्रों का संबंध संगीत से जोड़ा जाएगा।इससे छात्रों नवीनता का भय खत्म हो जाएगा तथा वे उत्साह पूर्वक कक्षा की गतिविधि में हिस्सा लेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र कक्षा में समझाएंगे उप विषय को अच्छी तरह से समझेंगे और उससे जुड़े हुए अन्य गीतों और कवि कक्षा में गाएंगे ।
- उत्साह पूर्वक गतिविधि में भाग लेंगे।
- अभ्यास कार्य करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि
उप विषय को गीतों और काव्य गायन के द्वारा संगीत विशेष से जोड़ा जाएगा।

पुनरावृति

- अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
- अलंकार के कितने भेद होते हैं ?
- शब्द अलंकार के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ अलंकार के कितने भेद होते हैं?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र अलंकारों का अर्थ समझ जाएंगे
- अलंकार और उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे।
- अलंकार के भेद उसे अच्छी तरह से अवगत हो जाएंगे।

मूल्यांकन
अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,मौखिक तथा लिखित रूप से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु - संज्ञा

शिक्षण उद्देश्य:-

1. छात्रों को संज्ञा से परिचित कराना।
2. व्यक्ति, स्थान, भाव तथा वस्तु के नाम के माध्यम से संज्ञा का बोध कराना।
3. संज्ञा के भेदों से परिचित कराना।
4. अभ्यास द्वारा संज्ञा सपष्ट करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा:

1. संज्ञा किसे कहते है?
2. राम स्कूल जा रहा है इस वाक्य में 'राम' क्या है?
3. 'भाव' किसे कहते है?
4. दिल्ली क्या है?

शब्द प्रारूप:

कठिन शब्दों को लिखना, व्यक्ति, भाव तथा स्थान की जानकारी तथा पहचान करना

वर्तनी:

व्यक्तिवाचक संज्ञा, समुदायवाचक, द्रव्यवाचक संज्ञा, कक्षा

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:

दृश्य श्रवन साधन, श्यामपट्ट, झाड़न, कक्षा को व्यक्ति, स्थान तथा भाव के आधार पर बाँटव पहचान कराना

कार्य प्रणाली:

छात्रों को व्यक्तियों के नाम पर व्यक्तिवाचक संज्ञा समझाई जाएगी। छात्र कक्षा में संज्ञा ध्यान पढ़ेंगे। छात्रों को कक्षा में भाववाचक संज्ञा की पहचान गुस्सा, गर्मी के आधार पर करवाई जाएगं छात्रों को अलग-अलग स्थानों के चित्र लिखाकर संज्ञा की पहचान करवाई जाएगी।

छात्र सहभागिता:

छात्र संज्ञा की पहचान करके अलग-अलग स्थानों के राम लिखकर व्यक्तिवाचक तथा जातिवाच संज्ञा के बीच अंतर समझेंगे। अपने भावों को व्यक्त करते भाववाचक संज्ञा को समझेंगे।

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्तिः

1. द्व्यवाचक संज्ञा की उदाहरण है।
2. समूहवाचक संज्ञा किसे कहते है?
3. व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक में अंतर बताएँ।

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरणः

छात्र संज्ञा को समझते हुए अपने परिवेश से संबंधित वस्तुओं तथा प्राणियों के नाम की सूची तैय करेंगे। कक्षा में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं के चित्र बनाएँगे। इतिहास में से कुछ स्थानों के न लिखेंगे। इनसे उनके अंदर चित्रकला तथा इतिहासकी जानकारी भी आएगी।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

छात्र परिवेश में साबुन, तेल, आटा तथा दाल के चित्र बनाकर कक्षा में लगाएँगे। व्यक्तिवाच जातिवाचक तथा भावाचक के 10-10 उदाहरणों की सूची तैयार करेंगे। कक्षा में उदाहरणों त अभ्यास को पूरा करेंगे।

सीखने के प्रतिफलः

संज्ञा की जानकारी प्राप्त करने के बाद छात्र संज्ञा को अपनी शैली में लिखेंगे। कक्षा में स्थानों, ना तथा भावों के आधार पर चर्चा करते हुए पाठ को समझेंगे। छात्र कक्षा में संज्ञा के अलग-अल भेदों की उदाहरण लिखने का प्रयास करेंगे।

मूल्यांकनः

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) व्याकरण पुस्तक के प्रश्न

1. तजमहल कौन-सी संज्ञा है?
2. दूध किस संज्ञा का उदाहरण है?

ख) अभ्यिास प्रत्रिका, कक्षा परीक्षा, गृह कार्य

Scanned with CamScanner

विषय :- कारक

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- 1. क्या आप जानते हैं कि दीवार को बनाते समय ईंट किस से जोड़ी जाती है ?
2. 'राधा मोहन मारा' क्या यह वाक्य पूरा है ? इसमें क्या जोड़ कर वाक्य पूरा होगा।
3. जोड़े हुए 'ने' 'को' क्या हैं ?

सहायक सामग्री :- व्याकरण पुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, चार्ट, श्यामपट्ट, चॉक डस्टर आदि।

शिक्षण कार्य विधि :- छात्रों को कारक की परिभाषा समझा कर उसके चिह्नों की जानकारी दी जाएगी। वाक्य में कारक चिह्नों के महत्त्व एवं आवश्यकता पर बल दिया जाएगा। सभी चिह्नों को उदाहरणों सहित समझाया जाएगा।

क्रम	कारक	कारक चिह्न	प्रयोग
1.	कर्ता	ने	मोहन ने गीत गाया।
2.	कर्म	को	राम ने रावण को मारा।
3.	करण	से (द्वारा)	वह चाकू से फल काटता है।
4.	संप्रदान	को, के लिए	भिखारी को भोजन देना चाहिए।

Scanned with CamScanner

अभिनव ने माँ को पत्र लिखा ।
कर्ता कर्म

5.	अपादान	से (अलग)	वह घर से स्कूल गया।
6.	संबंध	का, की, के, रा, री, रे	राम के पिता दशरथ थे।
7.	अधिकरण	में, पर	पिता जी कार्यालय में हैं।
8.	संबोधन	हे!, भो!, अरे!	हे राम! मेरी रक्षा करो।

छात्र सहभागिता :- कारक को समझकर उसके भेदों के नाम छात्र कविता के रूप में याद करेंगे। वाक्य को शुद्ध रूप से लिखने का ढंग सीखेंगे। अपनी कार्य पुस्तिका पर कारक के भेदों की एक तालिका बनाएँगे।

पुनरावृत्ति :-
1. कारक चिह्नों को और क्या कहा जाता है ?
2. कारक के भेदों के नाम बताएँ।
3. कर्ता कारक किसे कहते हैं।
4. 'में' चिह्न किस कारक का है ?

योग्यता विस्तार कार्य :- कारक के भेदों को कविता के रूप में याद करके वाक्यों को शुद्ध रूप से सही परसर्गों का प्रयोग करके करेंगे।

दैनिक बोलचाल के वाक्यों में कारक चिह्न ढूँढकर लिपिबद्ध कीजिए।

Scanned with CamScanner

उप विषय

संवाद लेखन

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को आपस में बातचीत करने का सही ढंग सिखाना।
- संवादों को सही ढंग से बोलना तथा लिखना सिखाना भाषा में रुचि उत्पन्न करना।
- व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- लेखन कला में सुधार करना।
- रचनात्मक कला का विकास करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप अपनी माता-पिता क्या मित्रों से बातचीत करते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि एक व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन को क्या कहते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि किसी के बीच की बातचीत को लिखा कैसे जाता है?

सहायक सामग्री

- व्याकरण की पुस्तक, कुछ छात्र ,स्मार्ट बोर्ड, एक कहानी की किताब।

पद्धति

- संवाद प्रतियोगिता
- किसी कहानी को संवाद के रूप में प्रस्तुत करना।

शिक्षण कार्य

- छात्रों को संवाद लेखन का सही ढंग बताते हुए कुछ विषय देकर संवाद लिखने के लिए कहा जाएगा उन्हें बताया जाएगा कि संवाद लेखन में विराम चिन्हों का भी विशेष महत्व होता है ।उन्हें समझाया जाएगा कि एक व्यक्ति द्वारा कहा गया कथन संवाद कहलाता है। संवाद हमेशा दो या दो से अधिक लोगों में होता है। संवाद छोटे तथा स्पष्ट होने चाहिए।भाषा के नियमों का पूर्ण रुप से ध्यान रखा जाना चाहिए।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- कहानी तथा अकबर और बीरबल के किस्सों के द्वारा छात्र इतिहास के विषय से जुड़ेंगे।
- सामाजिक समस्याओं की चर्चा करते समय वह सामाजिक विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र दिए गए विषयों पर संवाद लिखेंगे
- अपनी मनपसंद कहानी को संवाद के रुप में प्रस्तुत करेंगे।
- संवाद को लिखने का सही ढंग समझेंगे।
- भाषा में संवाद लेखन का महत्व जानेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को किसी विषय पर संवाद के रूप में उनके विचार कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा
- छात्र पत्र के अनुसार संवाद बोलेंगे।
- कोई कहानी पढ़कर उसे संवाद के रूप में परिवर्तित करके लिखने तथा कक्षा में उसे प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।छात्र इसे व्यवहारिक रूप में कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।
- विषय में रोचकता लाने के लिए अकबर तथा बीरबल के किसी एक किस्से को संवाद के रूप में कक्षा में छात्रों द्वारा प्रस्तुत करवाया जाएगा।

पुनरावृति

- संवाद कितने लोगों में होता है ?
- संवाद में कौन से गुण होने चाहिए?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्रों की लेखन तथा रचनात्मक कला का विकास होगा।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
- छात्र सही ढंग से संवाद लिखना तथा बोलना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास कार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा और परखा जाएगा कि उन्हें संवाद लिखना सही ढंग से आया है या नहीं।

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु- लेखन **प्रकरण – पत्र लेखन**

उद्देश्य:- 1. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

2. मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

3. छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

4. पत्र लेखन की योग्यता का प्राप्त करना

5. पत्र में अपनी बात को विषयानुरूप प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विस्तार करना

पूर्व ज्ञान परीक्षण:- 1. क्या आप जानते हैं पुराने समय में सन्देश भेजने की कौन-कौन सी विविधियाँ थीं?

2. आप किसी को सन्देश (आजकल)किस प्रकार भेजते हैं ?

3. क्या आपने किसी को पत्र लिखा है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि

कार्य प्रणाली:- छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व समझाया जायेगा कि चाहे इन्टरनेट के वर्तमान युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ है, किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गों के लिए लोग पत्र व्यवहार करते हैं ।विभिन्न कार्यालयों में तो पत्र व्यवहार अति आवश्यक है । पत्र लिखते समय जिन बातों का ध्यान रखना चाहिए ,उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी । पत्र के प्रकार बताये हुए पत्रों को दो भागों में बांटा जाने के बारे में बताया जाएगा :-

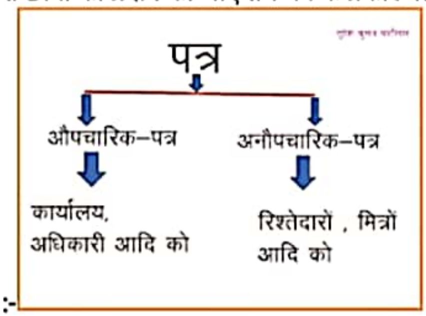

संबंध	प्रारंभ	अभिवादन	स्वनिर्देश
1. माता-पिता, शिक्षक, दादा, चाचा, अन्य बड़े	पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, आदरणीय	सादर प्रणाम, सादर नमस्ते, सादर चरण स्पर्श	आपका प्रिय पुत्र, आपका आज्ञाकारी शिष्य, स्नेहाकांक्षी आदि।
2. बराबर वालों के लिए	मित्रवर, प्रिय, मित्र, प्रिय बंधु	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा अभिन्न मित्र, तुम्हारा प्रिय मित्र
3. अपने से छोटों के लिए	प्रिय अनुज, प्रिय......	शुभाशीष, प्रसन्न रहो, चिरंजीव रहो	तुम्हारा शुभचिंतक, हितैषी, स्नेही आदि।
4. महान लोगों के लिए	आदरणीय, मान्यवर, माननीय	—	भवदीय, विनीत, प्रार्थी आदि।
5. औपचारिक पत्रों में	श्रीमान जी, महोदय, मान्यवर	—	भवदीय, आपका आदि।

Scanned with CamScanner

संबंध	प्रारंभ	अभिवादन	स्वनिर्देश
1. माता-पिता, शिक्षक, दादा, चाचा, अन्य बड़े	पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, आदरणीय	सादर प्रणाम, सादर नमस्ते, सादर चरण स्पर्श	आपका प्रिय पुत्र, आपका आज्ञाकारी शिष्य, स्नेहाकांक्षी आदि।
2. बराबर वालों के लिए	मित्रवर, प्रिय, मित्र, प्रिय बंधु	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा अभिन्न मित्र, तुम्हारा प्रिय मित्र
3. अपने से छोटों के लिए	प्रिय अनुज, प्रिय......	शुभाशीष, प्रसन्न रहो, चिरंजीव रहो	तुम्हारा शुभचिंतक, हितैषी, स्नेही आदि।
4. महान लोगों के लिए	आदरणीय, मान्यवर, माननीय	—	भवदीय, विनीत, प्रार्थी आदि।
5. औपचारिक पत्रों में	श्रीमान जी, महोदय, मान्यवर	—	भवदीय, आपका आदि।

छात्र सहभागिता :- छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानेंगे तथा लिखित अभ्यास द्वारा उस जानकारी को पुष्ट करेंगे ।अभ्यास- पुस्तक तथा स्मार्ट बोर्ड में दिए गाये पत्रों के उदाहरणों का अभ्यास करेंगे ।छात्र एक पत्र अपने सहपाठी को लिखेंगे जिसमें कोरोना के दौरान शिक्षा की स्थिति का वर्णन किया गया हो ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:- छात्रों को सर्वेक्षण के लिए डाकघर की विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सकते हैं ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- भाषा विस्तार के साथ-साथ सामाजिक –शास्त्र, भूगोल ,इतिहास , मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारतम्य स्थापित किया जाएगा ।

सीखने के प्रतिफल :- छात्र पत्र-लेखन के द्वारा भाषा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखेंगे , जैसे –सरलता, स्पष्टता, निश्यात्मकता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि ।

योग्यता विस्तार कार्य :-छात्रों से पत्रों के प्रारूप लिखवा कर पूछे जाएँगे जिससे उनका अभ्यास होगा --

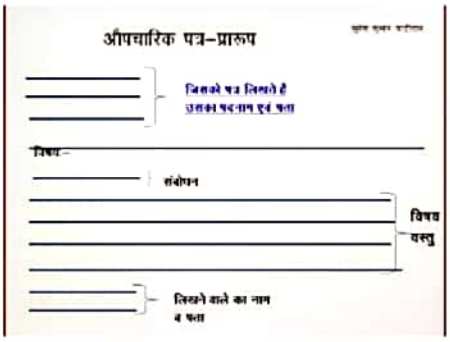

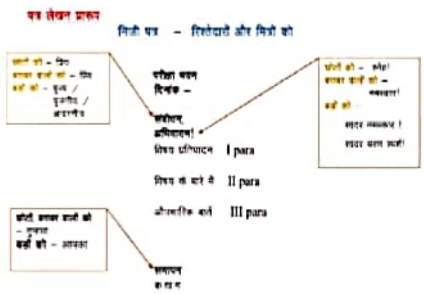

सहायक शिक्षण सामग्री:- विभिन्न प्रकार के पत्र , लिफ़ाफ़ा , अंतर्देशीय, पोस्टकार्ड अदि कक्षा में दिखाए जाएँगे

मूल्यांकन :- हिंदी व्याकरण में दिए कुछ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों को अभ्यास के लिए दिया जाएगा –जैसे

--बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें ए.टी.एम्.के अभी तक जारी ना होने की शिकायत हो

--अपनी माता जी के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए

-इकाई परीक्षा

--परियोजना कार्य

-गृह कार्य

Scanned with CamScanner